हमारे सामूहिक डिजिटल भविष्य के लिए एक नया नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र पर

तिरुवनंतपुरम घोषणा

हम, वैश्विक समुदाय केरल कला और शिल्प गांव - तिरुवनंतपुरम में 'रूट्स ऑफ रेजिलिएंस' सम्मेलन के लिए 2 दिसंबर 2023, को एकत्र होकर, भाईचारे और सहयोग के सिद्धांतों पर आधारित एक तकनीकी-सामाजिक व्यवस्था की कल्पना करते हैं।

डिजिटल पूंजीवाद (digital capitalism) के निष्कर्षणवादी (extractivist) आवेग के स्थान पर एक सहकारितावादी उत्पादन सिद्धांतों पर आधारित प्लेटफ़ॉर्म मॉडल की स्थापना होनी चाहिए। एक आमूल सुधार की आवश्यकता है। हमारा सामूहिक डिजिटल भविष्य तकनीकी संसाधनों के साझा स्वामित्व (ownership) पर टिका है ताकि नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र, एक समावेशी, न्यायसंगत, न्यायपूर्ण और रचनात्मक समाजों को बढ़ावा दे सके। हम ऐसे पांच-पॉईन्ट एजेंडे के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमें इस लक्ष्य तक ले जाएगा:

1. नवपरिवर्तन सार्वजनिक वस्तुओं के के लिए एक नई मिसाल

- सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित और लोकतांत्रिक रूप से शासित डिजिटल सार्वजनिक सामान, लोगों द्वारा डिजिटल कॉमन्स के प्रबंधन को बढ़ावा देने, मूल्य का उचित वितरण प्राप्त करने और उद्यमशीलता संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- नीतियों को कनेक्टिविटी, क्लाउड सेवाओं, सामान्य डेटा स्पेस, डिजिटल इंटेलिजेंस, लाइसेंसिंग मानकों और अन्य डिजिटल बुनियादी ढांचे के सार्वजनिक प्रावधान को बढ़ावा देना चाहिए।
- अपने डेटा से उत्पन्न ज्ञान पर समुदायों का सामूहिक अधिकार और उनके डेटा के प्रशासन में हिस्सेदारी का हर समय संरक्षण किया जाना चाहिए।

2. कार्य के भविष्य को सशक्त बनाने के लिए संपूर्ण समाज का दृष्टिकोण

- गिग अर्थव्यवस्था जो श्रमिकों का अमानवीयकरण करती है और समाज को अलग-थलग कर देती है, उसे एक नारीवादी सामाजिक अनुबंध के लिए रास्ता बनाना चाहिए जो प्लेटफार्म-आधारित कार्य में न्याय, समानता और सम्मान को बढ़ावा दे सके।
- एल्गोरिथम के शोषण वाला समाज अस्थिर है। एल्गोरिदमिक बुद्धिमत्ता लोगों की निगरानी और सामाजिक जिम्मेदारी के मानदंडों के अधीन होनी चाहिए।
- ऐसे प्लेटफॉर्म्स को बढ़ावा देना चाहिए जिनमें श्रमिक ही मालिक हों, ताकि एक ऐसी नयी पीढ़ी की अर्थव्यवस्था के वादे को पूरा किया जा सके जिसमें नेटवर्क की संपत्ति और डेटा के मूल्य का पुनर्वितरण हो।

3. **सहकारी समितियों और सामाजिक उद्यमों का डिजिटल युग के मुताबिक बदलाव**

- प्लेटफ़ॉर्म अर्थव्यवस्था में सहकारी समितियों (cooperatives) की प्रतियोगितात्मकता और स्थिरता, उचित कानूनी सुधार पर आधारित नए संस्थागत तंत्र पर निर्भर करती है। महिलाओं और युवाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों (enterprise) से जुड़ी हुई नीतियों पर विशेष तौर से ध्यान दिया जाना चाहिए|
- डिजिटल अर्थव्यवस्था में उत्पादक सहकारी समितियों की प्रभावी भागीदारी के लिए कर (tax) लाभ, खरीदारी में प्राथमिकता और सरकार द्वारा अनुदान की मदद, महत्वपूर्ण नीतिगत उपकरण हैं।

4. **नागरिक बुद्धि और सामाजिक-राजनीतिक नागरिकता**

- डिजिटल परिवर्तनकाल को एक ऐसे राजनीतिक दृष्टिकोण के माध्यम से आगे बढ़ाया जाना चाहिए, जो नागरिक-उपयोगकर्ताओं के लिए लोकतांत्रिक आदर्शों, आलोचनात्मक विचार और डिजिटल अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाए।
- शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए राज्य की नीतियों में सहकारी (cooperative) सिद्धांतों, सामाजिक उद्यम मॉडल और परामर्श कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

5. **पर्यावरणीय तौर पर स्थिर डिजिटल परिवर्तनकाल**

- किसी समाज में पर्यावरण की स्थिरता प्रौद्योगिकियों (technology) के जिम्मेदार उपयोग पर पर निर्भर करती हैं। इसलिए, डिजिटलीकरण के लिए नीतिगत विकल्पों को चुनते समय उनके पर्यावरण पर हो रहे प्रभाव पर प्रभाव पर भी ध्यान देना चाहिए।
- AI अर्थव्यवस्था को, मानव और गैर-मानव दुनिया के बीच पर्यावरणीय तौर पर स्थिर आजीविका, और सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देती, एक पुनर्योजी, स्थानीय ज्ञान मिसाल का समर्थन करना चाहिए।

जारीकर्ता

K-DISC
Kerala Development and Innovation Strategic Council

IT for Change

Platform Cooperativism Consortium

समर्थन करने के लिए itforchangepcc2023@gmail.com पर लिखे